SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 38, number 5 (May 1998)
TOC supplied by: University of Pennsylvania Libraries

अनुक्रम

प्रसंगवश 4

लेख

डॉ. अरविन्दाक्षन 7
समकालीन मलयालम कविता

डॉ. आर. शशिधरन 16
स्वातंत्र्योत्तर मलयालम नाट्य-साहित्य

मूल : तिक्कोटियन, अनु. : ओ. वासवन 21
नाटक और रंगमंच : कुछ विचार

डॉ. के. एम. मालती 23
स्वातन्त्र्योत्तर मलयालम उपन्यास :
कथ्य एवं शिल्प-संदर्भ

डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर 29
मलयालम उपन्यास हिन्दी में - उपलब्धियां
और संभावनाएं

मूल : वत्सला, अनु. : प्रमोद कोव्वप्रत 38
अरुन्धती की तीसरी आँख

मूल : डॉ. के, के. एन. कुरुप 41
अनु. : प्रमोद कोव्वप्रत
राष्ट्रीयता एवं सामाजिक परिवर्तन :
मलयालम साहित्य की भूमिका

मूल : बालामणि अम्मा, अनु. : डॉ. आरसु 46
मेरा काव्य जीवन

मूलः एम. एम. चन्द्रशेखरन 50
अनु. डॉ. पी. के. राधामणि
क्रान्तिकारी अनुवादक - ई. के. दिवाकरन
पोट्टी

कहानी

मूल : यू. ए. खादर 53
अनुवाद : वी. के. बालकृष्णन नायर
दिवाकर स्तुति

मूल : माधविकुट्टी, अनु. : बीना ईप्पन 58
माँ

मूल : एम. आर. मनोहर वर्मा 61
अनुवाद : प्रमोद कोव्वप्रत
अज्ञात रहस्य

मूल : सक्करिया 65
अनु. : डॉ. पी. के. चन्द्रन
आगन्तुक

मूल : एम. टी. वासुदेवन नायर 71
अनुवाद : प्रमोद कोव्वप्रत
कागज़ की नाव

मूल : सारा जोसेफ, अनु. : अनिता सी. 78
ऑनमेरी का शादी

मूल : एम. मुकुंदन 81
अनु. : डॉ. एम. अरविन्दन
पप्पू रिक्शेवाले का भविष्य :
एक झलक

काव्य

अक्षरा कुञ्ञुण्णी 87
सुबह के इंतजार में

मूल : विजयलक्ष्मी, अनु : राकेश कालिया 88
आगमन (वरवु)

इंदिरा सोहिंदा 89
कविता

डॉ. पूरन सहगल 92
केरल का सौंदर्य

मूल : ओ. वी. उषा 93
अनु. : राकेश कालिया
कविता

मूल : ए. अय्यप्पन 95
अनु. : डॉ. पी. के. वेणु
ए-पोसिटीव

मूल : वयलार रामवर्मा, अनु. : मीरा बालन 97
पेड़

मूल : के. सच्चिदानंदन, अनु. : डॉ. आरसु 101
पेटी

मूल : सुकुमार अंटलूर 102
अनु. : स्मिता ए.
शिक्षारंभ

नाटक

मूल : डी. विनयचन्द्रन 104
अनु. : डॉ. एम. एस. विश्वंभरन
कीर्तन

बात-चीत

डॉ . आरसु की ज्ञानपीठ 112
पुरस्कार विजेता एम. टी. वासुदेवन नायर से
परिवर्तन के मूल में

आत्मकथा अंश

मूलः तकषी शिवशंकर पिल्लै 118
अनु. : डॉ. एम. के. प्रीता
पुरानी नहीं है मेरी मनोवृत्ति

पुस्तक समीक्षा

राकेश कालिया 120
आधुनिक हिन्दी काव्य में पुराण के अपमानित
और अभिशप्त पात्रों का प्रस्तुतीकरण

डॉ. रेणु शाह 122
टुकड़ा-टुकड़ा नारी